# YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

# लाओस में PM मोदी का बड़ा ऐलान! 10 सूत्रीय प्लान से बदलेगी तस्वीर

## विषय सूची (Table of Contents):


>> आसियान-भारत शिखर सम्मेलन  एक्ट ईस्ट  नीति से संबंधों को मिली नई ऊर्जा और दिशा...

>> 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी...

>> वैश्विक तनाव के बीच भारत-आसियान की शांतिपूर्ण साझेदारी का बढ़ता महत्व...

>> संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान...

>> संवाद और संवादहीनता का अंत...

>> आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी  10 वर्षों में व्यापार हुआ दोगुना...

>> व्यापार में ऐतिहासिक वृद्धि...

>> विमानन कनेक्टिविटी और नए दूतावास...

>> संबंधों को मजबूत करने के लिए पीएम मोदी की 10 सूत्रीय कार्ययोजना का ऐलान...

>> आगामी वर्ष के लिए विशेष रूपरेखा...

>> पर्यटन, शिक्षा और साइबर सुरक्षा  10 सूत्रीय योजना की मुख्य घोषणाएं...

>> 1. आसियान-भारत पर्यटन वर्ष और वित्तीय सहायता...

>> 2. शिक्षा और छात्रवृत्ति का विस्तार...

>> 3. व्यापार समीक्षा और साइबर नीति संवाद...

>> लाओस में सांस्कृतिक झलक  लाओ रामायण की प्रस्तुति और बौद्ध भिक्षुओं का आशीर्वाद...

>> लाओस आगमन पर भव्य स्वागत...

>> लाओ रामायण  फलक फलम  का मंचन...

>> बौद्ध भिक्षुओं का आशीर्वाद समारोह...

>> 19वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और आगामी द्विपक्षीय बैठकों का एजेंडा...

>> 19वां ईस्ट एशिया समिट (EAS)...

>> द्विपक्षीय बैठकों का दौर...

>> निष्कर्ष...

>>  अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...


प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाओस की राजधानी वियंतियान (Vientiane) में आयोजित भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान ऐतिहासिक संबोधन दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया कि भारत कीएक्ट ईस्ट नीति (Act East Policy)ने आसियान (ASEAN) सदस्य राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों को एक अभूतपूर्व ऊर्जा, गति और रणनीतिक दिशा प्रदान की है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि 21वीं सदी का वैश्विक परिदृश्य मुख्य रूप से भारत और आसियान क्षेत्र के विकास पर आधारित है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच यह शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के सदियों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को आधुनिक संदर्भ में फिर से नया आयाम दिया गया है। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं, नीतियों तथा कूटनीतिक संवादों का एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है, जिसकी विस्तृत समीक्षा और जानकारी आधिकारिक सूचनाओं के माध्यम से सार्वजनिक की गई है।

## आसियान-भारत शिखर सम्मेलन: एक्ट ईस्ट नीति से संबंधों को मिलि

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति का मुख्य स्तंभ एक्ट ईस्ट नीति रही है। इस नीति ने आसियान देशों के साथ आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक तालमेल को कई गुना बढ़ा दिया है।

## 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि 21वीं सदी में विकास और वैश्विक स्थिरता की कुंजी भारत और आसियान क्षेत्र के पास है। दोनों क्षेत्र मिलकर दुनिया की एक बड़ी आबादी और अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं।

>> रणनीतिक साझेदारी:शांति, स्थिरता और सुरक्षा के साझा लक्ष्यों पर जोर।

>> सतत विकास:बुनियादी ढांचे और फिनटेक तकनीक का तेजी से विस्तार।

>> नागरिक संबंध:दोनों क्षेत्रों के नागरिकों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाना।

## वैश्विक तनाव के बीच भारत-आसियान की शांतिपूर्ण साझेदारी का बढ

वर्तमान समय में दुनिया के कई हिस्सों में तनाव, युद्ध और मतभेद की स्थिति बनी हुई है। ऐसे अनिश्चित वैश्विक परिवेश में भारत और आसियान की मित्रता एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है।

## संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि भारत और सभी आसियान देश शांतिप्रिय राष्ट्र हैं। दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पूरी निष्ठा से सम्मान करते हैं।

वैश्विक परिदृश्य में हो रहे बदलावों और रणनीतिक कदमों के विश्लेषण के लिए पाठक हमारी विशेष रिपोर्टट्रंप की चाल: भारत

को तेल और पाकिस्तान द्वीप प्लान का सच!पर नवीनतम अपडेट देख सकते हैं।

## संवाद और संवादहीनता का अंत

जब दुनिया के विभिन्न गुटों के बीच बातचीत के रास्ते बंद हो रहे हैं, तब भारत और आसियान ने निरंतर संवाद, सहयोग और साझेदारी का मार्ग चुना है। यही कारण है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में यह समूह शांति और समृद्धि का मुख्य इंजन बना हुआ है।

## आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी: 10 वर्षों में व्यापार हुआ दोगुना

व्यापारिक और आर्थिक आंकड़े इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि एक्ट ईस्ट  नीति केवल कूटनीतिक वक्तव्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने धरातल पर ठोस परिणाम दिए हैं।

## व्यापार में ऐतिहासिक वृद्धि

पीएम मोदी ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि पिछले दस वर्षों में भारत और आसियान के बीच व्यापार का दायरा दोगुना से अधिक बढ़ चुका है। यह व्यापार 130 अरब (13 करोड़) डॉलर से भी अधिक के आंकड़े को पार कर गया है।

## विमानन कनेक्टिविटी और नए दूतावास

दोनों क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं:

>> सीधी उड़ानें:भारत की वर्तमान में 7 आसियान देशों के साथ सीधी उड़ान सेवाएं चालू हैं, और जल्द ही ब्रुनेई के लिए भी सीधी हवाई सेवा शुरू की जाएगी।

>> नया वाणिज्य दूतावास:भारत ने तिमोर-लेस्ते (Timor-Leste) में अपना नया वाणिज्य दूतावास स्थापित किया है।

>> फिनटेक क्रांति:सिंगापुर पहला आसियान देश बना है जिसके साथ भारत ने एकीकृत फिनटेक और डिजिटल पेमेंट कनेक्टिविटी स्थापित की है।

इसके अलावा, विभिन्न सरकारी सुविधाओं और पहचान दस्तावेजों के सत्यापन से जुड़ी सहायता के लिए आपआधार कार्ड अपडेट हुआ आसान! देखें नई डॉक्यूमेंट लिस्टपर जाकर नवीनतम अपडेट एवं गाइड चेक कर सकते हैं।

## संबंधों को मजबूत करने के लिए पीएम मोदी की 10 सूत्रीय कार्ययो

इस ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-आसियान संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक दूरदर्शी 10-सूत्रीय कार्ययोजना (10-Point Plan) का ऐलान किया।

## आगामी वर्ष के लिए विशेष रूपरेखा

यह 10 सूत्रीय योजना न केवल आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों को कवर करती है, बल्कि यह जन-सामान्य के जीवन को बेहतर बनाने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। वर्ष 2025 और 2026 के लिए तय किए गए लक्ष्यों की समीक्षा समय-समय पर जारी आधिकारिक लिस्ट और नोटिफिकेशन के जरिए की जाएगी।

## पर्यटन, शिक्षा और साइबर सुरक्षा: 10 सूत्रीय योजना की मुख्य घ

पीएम मोदी द्वारा घोषित 10-सूत्रीय योजना में कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं जो आने वाले समय में दोनों क्षेत्रों के बीच सहयोग की नई इबारत लिखेंगे।

## 1. आसियान-भारत पर्यटन वर्ष और वित्तीय सहायता

अगले वर्ष को औपचारिक रूप से आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर संयुक्त पर्यटन गतिविधियों के आयोजन के लिए भारत सरकार की ओर से 50 लाख अमेरिकी डॉलर की विशेष वित्तीय राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

## 2. शिक्षा और छात्रवृत्ति का विस्तार

शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए बड़े निर्णय लिए गए हैं:

>> नालंदा विश्वविद्यालय:प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों की संख्या दोगुनी की जाएगी।

>> कृषि विश्वविद्यालय:भारत के प्रमुख कृषि विश्वविद्यालयों में आसियान देशों के विद्यार्थियों हेतु नई स्कॉलरशिप का

प्रावधान किया गया है।

>> महिला वैज्ञानिक सम्मेलन:आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास कोष के तहत आसियान-भारत महिला वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

## 3. व्यापार समीक्षा और साइबर नीति संवाद

वर्ष 2025 तक आसियान-भारत माल व्यापार समझौते (AITIGA) की समीक्षा पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, डिजिटल अवसंरचना और साइबर स्पेस की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आसियान-भारत साइबर नीति संवाद का एक नियमित संस्थागत तंत्र शुरू किया जाएगा।

खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में भारत की वैश्विक सफलताओं के संदर्भ में आप हमारी विशेष रिपोर्टभारत ने पाकिस्तान को रौंदा!भी पढ़ सकते हैं।

## लाओस में सांस्कृतिक झलक: लाओ रामायण की प्रस्तुति और बौद्ध भि

भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संबंध केवल आधुनिक व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गहरी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों पर आधारित है।

## लाओस आगमन पर भव्य स्वागत

वियंतियान हवाई अड्डे पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत लाओस के गृह मामलों के मंत्री विलायवोंग बौद्दाखम ने किया। इसके उपरांत, होटल पहुंचने पर भारतीय प्रवासी समुदाय (Indian Diaspora) ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

## लाओ रामायण फलक फलम का मंचन

प्रधानमंत्री ने लुआंग प्रबांग के प्रतिष्ठित रॉयल थिएटर द्वारा प्रस्तुत लाओ रामायण का अवलोकन किया। लाओस में रामायण को स्थानीय भाषा में फलक फलम (Phalak Phalam)या फ्रा लाक फ्रा राम कहा जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि लाओस और भारत बौद्ध धर्म तथा रामायण की महान साझा विरासत से आपस में गहरे से बंधे हुए हैं।

## बौद्ध भिक्षुओं का आशीर्वाद समारोह

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने लाओस के केंद्रीय बौद्ध फैलोशिप संगठन के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं के विशेष आशीर्वाद समारोह में भी हिस्सा लिया और दोस्ताना संबंधों की दीर्घायु की प्रार्थना की।

## 19वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और आगामी द्विपक्षीय बैठकों क

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य केवल आसियान सम्मेलन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे वैश्विक मंचों पर भारत के दृष्टिकोण को मजबूती से रखने के लिए उपस्थित हुए हैं।

## 19वां ईस्ट एशिया समिट (EAS)

वियंतियान में आयोजित हो रहे 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी विश्व के अन्य प्रमुख नेताओं के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री सहयोग और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती पर विचार-विमर्श करेंगे।

## द्विपक्षीय बैठकों का दौर

अपनी यात्रा के पहले ही दिन से पीएम मोदी आसियान के विभिन्न सदस्य देशों और सम्मेलन में भाग ले रहे अन्य वैश्विक साझेदारों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें (Bilateral Meetings) कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और रणनीतिक संबंधों को नया आयाम देना है।

## निष्कर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वियंतियान (लाओस) दौरा भारत की विदेश नीति और एक्ट ईस्ट Policy की एक ऐतिहासिक सफलता को दर्शाता है। 10-सूत्रीय कार्ययोजना, व्यापारिक समझौते की समीक्षा, कनेक्टिविटी में विस्तार, और सांस्कृतिक संबंधों का नवीनीकरण यह साबित करता है कि भारत और आसियान की यह रणनीतिक साझेदारी 21वीं सदी में वैश्विक विकास और शांति के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार स्तंभ बनकर उभरी है।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाओस (Lao PDR) की राजधानी वियंतियान (Vientiane) में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

पिछले 10 वर्षों में भारत और आसियान देशों के बीच व्यापार दोगुना होकर 130 अरब (13 करोड़) अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आसियान देशों के बीच संबंधों, पर्यटन, शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक 10-सूत्रीय कार्ययोजना (10-Point Plan) का ऐलान किया।

आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के दौरान संयुक्त पर्यटन गतिविधियों को आयोजित करने के लिए भारत सरकार की तरफ से 50 लाख (5 Million) अमेरिकी डॉलर की राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

लाओस में रामायण के स्थानीय लाओ रूपांतरण फलक फलम (Phalak Phalam) या फ्रा लाक फ्रा राम की विशेष नाटकीय प्रस्तुति का मंचन किया गया।

नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की गई है तथा भारतीय कृषि विश्वविद्यालयों में नई स्कॉलरशिप भी शुरू की जाएगी।

सिंगापुर आसियान क्षेत्र का पहला देश है जिसके साथ भारत ने फिनटेक और डिजिटल पेमेंट कनेक्टिविटी सफलतापूर्वक स्थापित की है।